Syadvad Manjari

Folder No.	022402
Granth Name	Syadvad Manjari
Author	Hemchandracharya, Mallishensuri, Hiralal Hansraj
Publisher	Hiralal Hansraj
Edition	1
Year	1902
Pages	428

स्याद्वादमञ्जरी

फोल्डर नं.	०२२४०२
ग्रन्थ	स्याद्वादमञ्जरी
लेखक	हेमचंद्राचार्य, मल्लीषेणसूरि, हीरालाल हंसराज
प्रकाशक	हीरालाल हंसराज
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९०२
पृष्ठ	४२८

मुख्य टाइटल
प्रस्तावना ---------- ३
अनुक्रमणिका ---------- ४
टीकाकारनुं मंगलाचरण ---------- १
प्रभुना चार अतिशयोनुं वर्णन ---------- ५
प्रभुनुं यथार्थवादीपणुं ---------- १६
एकांतनित्यानित्यपक्षनुं खंडन ---------- २६
ईश्वरना जगत्कर्तापणानो पूर्वपक्ष ---------- ४६
वेदवाक्योनुं अप्राणपणुं ---------- ६०
समवायनुं निराकरण ---------- ७०
ज्ञान अने आत्माना अत्यंतभेदनुं उपाधिपणुं ---------- ८४
मुक्तिनुं स्वरूप ---------- १००
आत्माना शरीरप्रमाणनुं खंडन ---------- ११७
बार प्रकारना प्रमेयोनुं खंडन ---------- १३०
जिनालयआदिक बंधाववामां थती हिंसानो खालसो ---------- १४३
नित्यपरोक्षज्ञानवादीओनुं खंडन ---------- १६६
नियत वाच्यवाचकभावनुं खंडन ---------- १९३
शब्दनुं पौद्गलिकपणुं ---------- २०८
सांख्योनो त्रण प्रकारनो बंध ---------- २३१
शून्यवादीओनुं खंडन ---------- २५३
क्षणभंगवादनुं खंडन ---------- २८७
नास्तिकमत खंडन ---------- ३०६
द्रव्य पर्यायनुं स्वरूप ---------- ३२६

अनेकांतवादना चार भेदोनुं व्याख्यान ---------- ३५४
दुर्नय नय अने प्रमाणनुं वर्णन ---------- ३७१
मितात्मवादनुं खडंन ---------- ३९४
प्रभुना वचनातिशयनी प्रौढता ---------- ४०८
टीकाकरनी प्रशस्ति ---------- ४१६
भाषांतरकारनी प्रशस्ति ---------- ४१९